Dr M.K. Jha
Dept of Sociology
V.S.J College, Rajnagar

B.A. part
Sociology (Hons)
paper-1

Introduction to sociology

प्राथमिक समूह एवं द्वैतीयक समूह अवधारणा - अन्तर

Ans- अमरीकन समाजशास्त्री चार्ल्स कूले (Charles cooley) ने सन 1909 में अपनी पुस्तक 'Social organisation' में सर्वप्रथम 'प्राथमिक समूह' शब्द का प्रयोग किया। बाद में इस समूह से भिन्न विशेषताएँ प्रदर्शित करने वाले समूह को 'द्वैतीयक समूह' कहा जाने लगा।

चार्ल्स कूले प्राथमिक समूहों को जीवन के आरंभ से प्रभावित करने के कारण इसे मानव स्वभाव की पालिका कहा है। प्राथमिक समूह के सदस्य जन्म से ही व्यक्तिगत एवं सामाजिक व्यवहार का आधार रहा है अतएव कूले प्राथमिक समूह को प्रथम-स्थान एवं प्रथम-प्रभाव का स्रोत माने है।

चार्ल्स कूले के अनुसार

"प्राथमिक समूहों से मेरा अभिप्राय उन समूहों से है जिनकी प्रमुख विशेषताएँ आमने-सामने के घनिष्ठ सम्बन्ध और सहयोग की भावना है। ये समूह अनेक प्रकार से प्राथमिक है लेकिन प्रमुख रूप से मैं इस अर्थ में कि ये व्यक्ति की सामाजिक प्रकृति और आदर्शों के निर्माण करने में मौलिक है।" कूले ने परिवार, क्रीड़ा समूह व पड़ोस को प्राथमिक समूह का उदाहरण बतलाए है।

K. Davis के अनुसार

प्राथमिक समूह में शारीरिक समीपता, समूह का छोटा आकार तथा सम्बन्धों की लम्बी अवधि का होना अनिवार्य है।

Scanned with Cam

द्वैतीयक समूह - (Secondary group) के सम्बन्ध में चार्ल्स कूले ने कहा है - कि द्वैतीयक वे समूह है जिनमें घनिष्ठता और प्राथमिक विशेषताओं का पूर्ण प्रभाव रहता है। जैसे सेना, राजनीतिक दल बड़े व्यापारिक संगठन, मजदूर संघ, राष्ट्र विश्वविद्यालय, कारपोरेशन इसके उदाहरण हैं।

द्वैतीयक समूह में व्यक्तिगत सम्बन्ध और शारीरिक निकटता का पूर्ण प्रभाव रहता है इनके सदस्यों के बीच औपचारिक सम्बन्ध पाया जाता है ये समूह संविधा, नियम एवं शर्तों से संचालित होते हैं। द्वैतीयक समूह आधुनिकता की उपज है जिसके अन्तर्गत खास उद्देश्य की पूर्ति की जाती है।

अन्तर : प्राथमिक और द्वैतीयक समूह में निम्न अन्तर मान्य हैं:-

प्राथमिक समूह	द्वैतीयक समूह
1. प्राथमिक समूह का आकार काफी छोटा होता है।	1. द्वैतीयक समूह का आकार बहुत बड़ा होता है
2. प्राथमिक समूह में सदस्यों के बीच शारीरिक समीपता होती है	2 द्वैतीयक समूह में सदस्यों के बीच अप्रत्यक्ष सम्बन्ध रहता है।
3. प्राथमिक समूह में सदस्यों की संख्या कम होती है।	3. द्वैतीयक समूह में सदस्यों की संख्या अधिकाधिक होती है।
4. प्राथमिक समूह में स्थायी सम्बन्ध पाए जाते है।	4. द्वैतीयक समूह में सदस्यों के बीच अस्थायी सम्बन्ध रहता है।

Scanned with Cam

प्राथमिक समूह	द्वैतीयक समूह
5 प्राथमिक समूह का विकास धीरे धीरे होता है।	5 द्वैतीयक समूह का निर्माण आवश्यकतानुसार होता है।
6. प्राथमिक समूह की सदस्यता अनिवार्य है	6. द्वैतीयक समूह की सदस्यता ऐच्छिक होती है।
7. प्राथमिक समूह में औपचारिक नियंत्रण पाया जाता है	7. द्वैतीयक समूह में औपचारिक नियंत्रण पाया जाता है।
8. प्राथमिक समूह में सम्पूर्ण व्यक्तित्व को प्रभावित किया जाता है	8. द्वैतीयक समूह में व्यक्तित्व पर आंशिक प्रभाव होता है।
9. प्राथमिक समूह में सम्बन्ध स्वयं साध्य है।	9. इसमें सम्बन्ध स्वयं साध्य नहीं होता है।
10 प्राथमिक समूह में हम की भावना पायी जाती है।	10 द्वैतीयक समूह में दिखावापन की भावना होती है।
11. प्राथमिक समूह सामूहिकता को जन्म देती है।	11. द्वैतीयक समूह व्यक्तिवाद को जन्म देती है।
12. इसका कार्य-क्षेत्र सीमित होता है	12 इसका कार्य-क्षेत्र असीमित होता है।
13. इसमें प्रत्यक्ष सम्बन्ध पाया जाता है।	13. इसमें अप्रत्यक्ष सम्बन्ध पाया जाता है
14. इसमें एकत्व की मनोवृत्तियां समान होती है।	14. इनमें स्वार्थ पाया जाता है।
15 प्राथमिक समूह अति प्राचीन है।	15 द्वैतीयक समूह आधुनिक का देन है।

Scanned with CamScanner

वास्तविक जीवन में अधिकांश
सम्बन्ध न तो प्राथमिक होते हैं और
न द्वैतीयक। अतः दोनों समूहों
की आवश्यकता एवं जीवन प्रणाली
को सुगम बनाया जाता है।

Scanned with Cam